चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक जागरण........
दिनांक 29.8.2019 पृष्ठ सं. ....17.... कॉलम ....3-5....

हकृवि में जनशक्ति फॉर जल शक्ति विषय पर लगेगा दो दिवसीय कृषि मेला

जागरण संवाददाता, हिसार : एचएयू में 11-12 सितंबर को कृषि मेला (रबी) आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस वर्ष मेले का मुख्य विषय जल संरक्षण (जनशक्ति फॉर जलशक्ति) होगा। हर साल की तरह यह कृषि मेला विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर लगाया जाएगा।

जिसमें किसानों को विभिन्न रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने की नवीनतम कृषि तकनीकों की जानकारी मिलेगी। मेले में प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी जिसमें विश्वविद्यालय के सभी विभागों द्वारा कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए ईजाद की गई नई टेक्नोलॉजी व उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में एग्रो-इंडस्ट्रीज व बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी हिस्सा लेंगी। उन्होंने लाभप्रद कृषि की आधुनिक तकनीकों व जल संरक्षण की जानकारी लेने के लिए किसानों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में भाग लेने

की अपील की है। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेला के संयोजक डा. आरएस हुड्डा ने बताया कि मेले में किसानों को रबी फसलों व सब्जियों की विभिन्न उन्नत किस्मों के बीज, जैव उर्वरक और फलदार पौधों की नर्सरी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। मेले में आए किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ मौसम की फसलें तथा औषधीय फसलें, वानिकी, फलों और सब्जियों की अधिक पैदावार लेने के लिए उपयुक्त टेक्नोलोजी के प्रदर्शन दिखाए जाएंगे। मेले में मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच के विशेष प्रबंध किए जाएंगे। उम्दा फसल उत्पादन करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए इस अवसर पर एक फसल प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। डा. हुड्डा ने बताया कि मेले में कृषि उत्पादन एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले प्रदेश के प्रगतिशील किसान भी सम्मानित किए जाएंगे।

स्टालों की बुकिंग जारी

सह निदेशक (विस्तार) डा. कृष्ण यादव के मुताबिक कृषि मेले में लगने वाली प्रदर्शनी में स्टॉलों की बुकिंग जारी है। उन्होंने बताया प्राईवेट कंपनियों को स्टाल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित की जा रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर....
दिनांक 29.8.2019 पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ....7-8....

11 और 12 सितंबर से एचएयू में लगेगा कृषि मेला

रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने की तकनीकों की मिलेगी जानकारी

कृषि मेले में जल बचाने की रखी गई है थीम

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 11-12 सितंबर को कृषि मेला (रबी) आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष मेले का मुख्य विषय जल संरक्षण (जनशक्ति फॉर जलशक्ति) होगा। हर साल की तरह कृषि मेला विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर लगेगा जिसमें किसानों को विभिन्न रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने की नवीनतम कृषि तकनीकों की जानकारी मिलेगी। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि उनके अनुसार मेले में एक विशाल प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी विभागों द्वारा कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु ईजाद की गई नई टेक्नोलॉजी व उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में एग्रो-इंडस्ट्रीज व बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी हिस्सा लेंगी। उन्होंने लाभप्रद कृषि की आधुनिक तकनीकों व जल संरक्षण की जानकारी लेने के लिए किसानों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में भाग लेने की अपील की है।

फलों व सब्जियों के मिलेंगे उन्नत बीज: किसानों को रबी फसलों व सब्जियों की विभिन्न उन्नत किस्मों के बीज, जैव उर्वरक तथा फलदार पौधों की नर्सरी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। कृषि मेला के संयोजक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि मेले में मेले में आए किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ मौसम की फसलें तथा औषधीय फसलें, वानिकी, फलों और सब्जियों की अधिक पैदावार लेने के लिए उपयुक्त तकनिकी के प्रदर्शन दिखाए जाएंगे। उनके अनुसार मेले में मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच के विशेष प्रबंध किए जाएंगे। उम्दा फसल उत्पादन करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए इस अवसर पर एक फसल प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। डॉ. हुड्डा ने बताया कि मेले में कृषि उत्पादन एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले प्रदेश के प्रगतिशील किसान भी सम्मानित किए जाएंगे।

स्टॉलों की बुकिंग जारी

सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव के मुताबिक कृषि मेले में लगने वाली प्रदर्शनी में स्टॉलों की बुकिंग जारी है। उन्होंने बताया प्राईवेट कंपनियों को यह स्टाल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि कृषि मेले बारे विस्तृत जानकारी लेने के लिए किसान अपने जिले के कृषि विज्ञान केन्द्र में संपर्क कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......अमर उजाला......

दिनांक ..29.8.2019.. पृष्ठ सं. ....1.... कॉलम ....7.8....

एचएयू में कृषि मेला 11 व 12 सितंबर को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 11-12 सितंबर को कृषि मेला (रबी) आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस वर्ष मेले का मुख्य विषय जल संरक्षण (जनशक्ति फॉर जलशक्ति) होगा। हर साल की भांति यह कृषि मेला विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर लगेगा, जिसमें किसानों को विभिन्न रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने की नवीनतम कृषि तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। मेले में एक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिसमें विश्वविद्यालय के सभी विभागों द्वारा कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए ईजाद की गई नई तकनीक व उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में एग्रो-इंडस्ट्रीज व बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी हिस्सा लेंगी। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेले के संयोजक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि मेले में किसानों को रबी फसलों व सब्जियों की विभिन्न उन्नत किस्मों के बीज, जैव उर्वरक तथा फलदार पौधों की नर्सरी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त मेले में आए किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ मौसम की फसलें तथा औषधीय फसलें, वानिकी, फलों और सब्जियों की अधिक पैदावार लेने के लिए उपयुक्त तकनीक का प्रदर्शन किया जाएगा। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए एक फसल प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। डॉ. हुड्डा ने बताया कि मेले में कृषि उत्पादन एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले प्रदेश के प्रगतिशील किसान सम्मानित किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......नभ छोर......
दिनांक 28.8.2019 पृष्ठ सं. ...6... कॉलम ...7-8...

हकृवि में रबी कृषि मेला 11 से

हिसार/28 अगस्त/रिपोर्टर
चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 11-12 सितंबर को कृषि मेला (रबी) आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस वर्ष मेले का मुख्य विषय जल संरक्षण (जनशक्ति फॉर जलशक्ति) होगा। उन्होंने बताया कि मेले में किसानों को विभिन्न रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने की नवींनतम कृषि तकनीकों की जानकारी मिलेगी। उनके अनुसार मेले में एक विशाल प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी जिसमें विश्वविद्यालय के सभी विभागों द्वारा कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु ईजाद की गई नई तकनालोजी व उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में एग्रो-इंडस्ट्रीज व बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी हिस्सा लेंगी। उन्होंने लाभप्रद कृषि की आधुनिक तकनीकों व जल संरक्षण की जानकारी लेने के लिए किसानों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में भाग लेने की अपील की है। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेला के संयोजक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि मेले में किसानों को रबी फसलों व सब्जियों की विभिन्न उन्नत किस्मों के बीज, जैव उर्वरक तथा फलदार पौधों की नर्सरी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त मेले में आए किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ मौसम की फसलें तथा औषधीय फसलें, वानिकी, फलों और सब्जियों की अधिक पैदावार लेने के लिए उपयुक्त तकनालोजी के प्रदर्शन दिखाए जाएंगे। उनके अनुसार मेले में मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच के विशेष प्रबंध किए जाएंगे। उन्होंने बताया उम्दा फसल उत्पादन करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए इस अवसर पर एक फसल प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। डॉ. हुड्डा ने बताया कि मेले में कृषि उत्पादन एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले प्रदेश के प्रगतिशील किसान भी सम्मानित किए जाएंगे। सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव के मुताबिक कृषि मेले में लगने वाली प्रदर्शनी में स्टॉलों की बुकिंग जारी है। उन्होंने बताया प्राईवेट कंपनियों को यह स्टाल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित की जा रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....हैलो हिसार....

दिनांक ....28.8.2019.... पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ....7-8....

हकृवि में कृषि मेला रबी का आयोजन 11-12 को

हिसार: 28 अगस्त चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 11-12 सितंबर को कृषि मेला (रबी) आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का मुख्य विषय जल संरक्षण (जनशक्ति फॉर जलशक्ति) होगा। उन्होंने बताया कि हर साल की भांति यह कृषि मेला विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर लगेगा जिसमें किसानों को विभिन्न रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने की नवीनतम कृषि तकनीकों की जानकारी मिलेगी। उनके अनुसार मेले में एक विशाल प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी जिसमें विश्वविद्यालय के सभी विभागों द्वारा कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु ईजाद की गई नई तकनालोजी व उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में एग्रो-इंडस्ट्रीज व बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी हिस्सा लेंगी। उन्होंने लाभप्रद कृषि की आधुनिक तकनीकों व जल संरक्षण की जानकारी लेने के लिए किसानों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में भाग लेने की अपील की है। उधर, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेला के संयोजक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि मेले में किसानों को रबी फसलों व सब्जियों की विभिन्न उन्नत किस्मों के बीज आदि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......सिटी पल्स......
दिनांक 28.8.2019 पृष्ठ सं. ...2... कॉलम ...1-2...

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला 11 व 12 सितंबर को

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 11 व 12 सितंबर को कृषि मेला (रबी) आयोजित किया जाएगा। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस वर्ष मेले का मुख्य विषय जल संरक्षण (जनशक्ति फॉर जलशक्ति) होगा। उन्होंने बताया कि हर साल की भांति यह कृषि मेला विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर लगेगा जिसमें किसानों को विभिन्न रबी फसलों की पैदावार बढ़ाने की नवीनतम कृषि तकनीकों की जानकारी मिलेगी। उनके अनुसार मेले में एक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी जिसमें विश्वविद्यालय के सभी विभागों द्वारा कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए ईजाद की गई नई टैक्नोलॉजी व उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में एग्रो-इंडस्ट्रीज व बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी हिस्सा लेंगी। उन्होंने लाभप्रद कृषि की आधुनिक तकनीकों व जल संरक्षण की जानकारी लेने के लिए किसानों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में भाग लेने की अपील की है।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेला के संयोजक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि मेले में किसानों को रबी फसलों व सब्जियों की विभिन्न उन्नत किस्मों के बीज, जैव उर्वरक तथा फलदार पौधों की नर्सरी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त मेले में आए किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ मौसम की फसलें तथा औषधीय फसलें, वानिकी, फलों और सब्जियों की अधिक पैदावार लेने के लिए उपयुक्त टैक्नोलॉजी के प्रदर्शन दिखाए जाएंगे। उनके अनुसार मेले में मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच के विशेष प्रबंध किए जाएंगे।